परिशिष्ट
तथा
संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट-१

यशपाल की जीवनी

१९०३ ई.में. फिरोजपुर छावनी में जन्म। सात-आठ वर्ष की आयु में गुरुकुल मे प्रविष्ट हुए बारह वर्ष की आयु में पहली कहानी ` अंगूठी ` लिखी चौदह वर्ष की आयु में गुरुकुल छोडा

१९२१ ई. में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की (प्रथम श्रेणी में)

१९२५ ई.में. बी.ए. तथा प्रभाकर की परीक्षाएँ उत्तीर्ण की

१९२६ ई.में. क्रांतीकारी दल में शामिल हुए

१९२९ ई.में. वायसराय की ट्रेन के नीचे बम-विस्फोट किया

१९३१ ई.में हिंन्दुस्तान समाजवादी प्रजातन्त्र सेना के सेनापति

१९३२ ई.में गिरफ्तार एवं चौदह वर्ष की सजा

१९३६ ई.में जेल में प्रकाशवती से विवाह

१९३८ ई.में जेल से रिहा एवं पंजाब-प्रवेश पर बन्दी

१९३८ ई.में ` विप्लव ` पत्रिका का प्रकाशन

१९३९ ई.में ` बागी ` पत्रिका का प्रकाशन

१९३९ ई.में प्रथम कहानी - संकलन का प्रकाशन

१९४१ ई.में प्रथम उपन्यास ` दादा कामरेड ` का प्रकाशन

१९४२ ई.में गिरफ्तार

१९४७ ई.में ` रक्ताभ ` के प्रधान सम्पादन बने

१९४९ ई.में गिरफ्तार एवं रिहा - लखनऊ से निर्वासित

१९५२ ई.में विएना की विश्वशांति - कांग्रेस में भाग लिया

१९५४ ई.में ` नया पथ ` के प्रधान सम्पादन बने

१९५८ ई.में ताशकंद लेखक मेले मे भाग लिया

१९७६ ई.में देहावसान

परिशिष्ट-२

यशपाल की साहित्य सेवा

अ) कहानी संग्रह :

१) पिंजरे की उड़ान	१९३९	सन
२) वो दुनिया	१९४१	सन
३) तर्क का तूफान	१९४३	सन
४) ज्ञानदान	१९४४	सन
५) अभिशप्त	१९४४	सन
६) भस्मावृत्त चिन्गारी	१९४६	सन
७) फूलो का कुर्ता	१९४९	सन
८) धर्मयुध्द	१९५०	सन
९) उत्तराधिकारी	१९५१	सन
१०) चित्र का शीर्षक	१९५२	सन
११) तुमने क्यों कहा था मैं सुन्दर हूँ ?	१९५४	सन
१२) उत्तमी की माँ	१९५५	सन
१३) ओ भैरवी	१९५८	सन
१४) सच बोलने की भूल	१९६२	सन
१५) खच्चर और आदमी	१९६५	सन
१६) भूख के तीन दिन	१९६८	सन
१७) लैमशेड (लेखक की मृत्यू के बाद प्रकाशित)	१९७६	सन
१८) मेरी प्रिय कहानियाँ	१९७६	सन

ब) उपन्यास :

१) दादा कामरेड १९४१
२) देशद्रोही १९४३
३) दिव्या १९४५
४) पार्टी कामरेड १९४७
५) मनुष्य के रूप १९४९
६) अमिता १९५६
७) झूठा सच - वतन और देश १९५८
झूठा सच - देश और भविष्य १९६०
८) बारह घंटे १९६३
९) अप्सरा का श्राप १९६५
१०) क्यों फंसे १९६८
११) मेरी तेरी उसकी बात १९६८

क) अनूदित उपन्यास :

१२) पक्का कदम १९४९
१३) जुलैखा
१४) फसल

ड) यशपाल का कथेतर साहित्य :

नाटक -

१) नशे नशे की बात १९५२

आत्मकथा -

१) सिंहावलोकन (प्रथम भाग) १९५१
सिंहावलोकन (द्वितीय भाग) १९५२
सिंहावलोकन (तृतीय भाग) १९५५

<u>संस्मरण</u> -

३) लोहे की दीवार के दोनों ओर	१९५२
४) राहबीती	१९५३
५) स्वर्गोद्यान बिना साँप	

<u>निबन्ध - साहित्य</u> -

६) न्याय का संघर्ष	१९४०
७) मार्क्सवाद	१९४१
८) गांधीवाद की शव-परीक्षा	१९४२
९) चक्कर क्लब	१९४३
१०) बात बात में बात	१९५०
११) रामराज्य की कथा	१९५०
१२) देखा, सोचा, समझा	१९५१
१३) जग का मुजरा	१९५२
१४) बीबीजी कहती हैं, मेरा चेहरा रोबीला है	१९६१
१५) गांधी और लेनिन	जब्त

<u>पत्र साहित्य</u> -

१६) यशपाल के पत्र (सं. मधुरेश)

परिशिष्ट-३

यशपाल - उपाधियाँ तथा सम्मान

देव पुरस्कार :

विन्ध्य प्रदेश शासन की ओर से वर्ष १९५४-५५ के ` सर्वश्रेष्ठ रचनात्मक गद्य ` विषयपर दिया जाने वाला ` देव ४ पुरस्कार ` उनकी कथाकृति ` चित्र का शीर्षक ` को प्रदान किया गया था । इसकी धनराशि इक्कीस सौ रुपये थी । श्री यशपाल इससे यशस्वी बनें और वे हिन्दी साहित्य की अधिकाधिक सेवा करे । इस मंगल कामना के प्रतीक के रूपमें ` ताम्रपत्र ` भी अर्पित किया गया था । वह पुरस्कार मार्च १९५५ में श्री कस्तूरी सन्तानम्,उपराज्यपाल, विन्ध्यप्रदेश के हाथों प्रदान किया गया ।

सोवियतलैंड नेहरू पुरस्कार :

भारत तथा सोवियत देश के बीच शान्ति और मित्रता का विशेष कार्य करने के उपलक्ष्य में पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र १४ नवंबर १९६९ को दिल्ली में तत्कालीन उपराष्ट्रपति श्री. गोपालस्वरूप पाठकजी के कर-कमलों से अर्पित किया गया । इस पुरस्कार के रूप में आठ हजार रुपये की धनराशि के साथ सोवियत-यात्रा का सुअवसर भी यशपालजी को प्राप्त हुआ था ।

मंगलप्रसाद पुरस्कार :

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयोग की ओर से सं.२०२२ का मंगल-प्रसाद पारितोषिक बारह सौ रुपये की धनराशि और ताम्रपत्र के रूप में उनकी रचना ` झूठ सच ` के लिए प्रयाग में माघ ११ शक सं.१८८१ को

प्रदान किया गया । यह पुरस्कार श्री. कमलापति त्रिपाठी के हाथों प्राप्त हुआ ।

साहित्य अकादमी पुरस्कार :

१९७६ के लिए चुनी गई सर्वश्रेष्ठ रचना के रूप में यह पुरस्कार उनके अन्तिम उपन्यास `मेरी तेरी उसकी बात ` के लिए प्रदान किया गया । इसके पुरस्कार के रूप में साहित्य अकादमी द्वारा दिया जानेवाला ताम्रपत्र तथा पांच हजार रुपये की धनराशि दी गयी ।

उपाधियाँ :

साहित्यवारिधि -

सन् १९६७ में, ` उत्तर प्रदेशीय हिंदी सम्मेलन ` प्रयाग की ओर से यह उपाधि श्री यशपाल को हिंदी वाङ्.मय को अपने कृतित्व से समृध्द करने के उपलक्ष्य में प्रदान की गयी ।

पद्मभूषण -

भारत के तत्कालीन श्री वराहगिरि व्यंकटगिरि ने व्यक्तिगत गुणों के सम्मानार्थ यह उपाधि २१ अप्रैल, १९७० को प्रदान की ।

डी.लिट्. -

आगरा विश्वविद्यालय ने साहित्य सेवा के सम्मानार्थ यह उपाधि सन् १९७४ में प्रदान की । यह उपाधि उत्तर प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल अकबर अली खाँ के हाथों से प्रदान की गई ।

साहित्य वाचस्पति -

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग की ओर से अमूल्य हिंदी सेवा के उपलक्ष्य में सम्मानार्थ यह उपाधि और उसके प्रमाण के रूप में ` ताम्रपत्र `

सहर्ष प्रदान किया गया । इस उपाधिप्रदान कार्य के सिलसिले में सम्मेलन का विशेष अधिवेशन आयोजित किया गया था जिसकी अध्यक्षता श्री कमलापति त्रिपाठी ने की थी । यह समारोप राष्ट्रीय सायन आग्रहायण १६, शक १९१७ अर्थात् ७ दिसम्बर, १९७५ को सम्पन्न हुआ था ।

ताम्रपत्र :

काशी नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा -

डॉ.श्यामसुन्दर दास जन्मशती समारोह के अवसर पर हिन्दी भाषा और साहित्य की सेवा के लिए १९ मई, १९७५ को काशी नागरी प्रचारिणी सभा की ओर से सादर समर्पित किया गया ।

भारत वर्ष की ओर से -

भारत वर्ष के स्वतंत्रता के पचीसवें वर्ष (रजत जयंती) के अवसर पर स्वतंत्रता तथा संग्राम में स्मरणीय योगदान के लिए राष्ट्र की ओर से तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने १४ अगस्त, १९७२ को ताम्रपत्र भेंट दिया ।

सम्मानपत्र :

भारत साहित्य संघ, पिओले (मॉरिशस) -

भारत साहित्य संघ त्रिओले (मॉरिशस) के त्रैमासिक प्रकाशन `आभा` की ओर से मॉरिशस में ऐतिहासिक शुभागमन पर रविवार दिनांक ९ जनवरी, १९७३ को प्रदान किया गया ।

साहित्य संसद, पंजाब -

१० दिसम्बर, १९६३ को साहित्य संसद, पंजाब की ओर से 'षष्ठिपूर्ति' के उपलक्ष्य में पटियाला में अर्पित किया गया।

उत्तर प्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद -

दीर्घकालीन उत्कृष्ट कथा साहित्य की सेवा और हिन्दी के प्रबल समर्थन लिए २३ नवम्बर, १९६४ को मेरठ में उपन्यासकार भगवतीचरण वर्मा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के हाथों समर्पित किया गया।

ब्रज साहित्य मण्डल, गजियाबाद -

षष्ठिपूर्ति के अवसर पर गाजियाबाद के नागरिक अभिनन्दन समारोह के उपलक्ष्य में ६ दिसम्बर, १९६३ को समर्पित किया गया।

साहित्यकार परिषद, पेप्सू - पटियाला -

कला-कृतियों की उत्कृष्टता के स्वीकारार्थ ३० मार्च, १९५६ को प्रदान किया गया।

यशपाल अभिनन्दन समिति, दिल्ली -

प्रस्तुत समिति तथा दिल्ली निवासी साहित्यिकों की ओर से 'षष्ठिपूर्ति' के अवसर पर ७ दिसम्बर, १९६३ को प्रदान किया गया।

विगत हिन्दी साहित्य संगम -

२० आश्विन, संवत् २०२४ अर्थात १२ अक्तूबर १९६८ को संगम के मंत्री श्री पीयूष गुलेरी द्वारा मानवता के सेवार्थ प्रदान किया गया।

अभिनन्दन ग्रंथ -

पंजाबी विभाग, पटियाला की ओर से ३० मार्च, १९५६ को वार्षिक दरबार के अवपर हिन्दी की सेवा के उपलक्ष्य में प्रदान किया गया ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

१) पिंजरे की उडान - यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, आठवा संस्करण, १९७१.

२) वो दुनिया - यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सातवा संस्करण, १९७७.

३) तर्क का तूफान, यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, चतुर्थ संस्करण, १९५६.

४) ज्ञानदान - यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, चौथा संस्करण, १९५४.

५) अभिशप्त - यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, चतुर्थ संस्करण, १९६२.

६) भस्मावृत्त चिनगारी - यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, चौथा संस्करण, १९५४.

७) फूलों का कुर्ता - यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, तीसरा संस्करण, १९५०.

८) धर्मयुध्द - यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, तृतीय संस्करण, १९६१.

९) उत्तराधिकारी - यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, तृतीयि संस्करण, १९६२.

१०) चित्र का शीर्षक - यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, चतुर्थ संस्करण, १९६२.

११) तुमने क्यों कहा था मैं सुंदर हूँ ? - यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, तीसरा संस्करण, १९६५.

१२) उत्तमी की माँ - यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, दूसरा संस्करण, १९५९.

१३) ओ भैरवी - यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, चतुर्थ संस्करण, १९७६.

१४) सच बोलने की भूल - यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, दूसरा संस्करण, १९६८.

१५) खच्चर और आदमी - यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, तृतीय संस्करण, १९७१.

१६) भूख के तीन दिन - यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ, प्रथम संस्करण, १९६८.

१) अग्रवाल बिंदु, हिंदी उपन्यास में नारी चित्रण, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, १९६८.

२) कुमारी अनुविग, यशपाल की कहानी कला, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, प्रथम संस्करण, १९६६.

३) गुप्त सरोज, यशपाल व्यक्तित्व और कृतित्व

४) गुप्ता चमनलाल, यशपाल के उपन्यास : सामाजिक कथ्य, शारदा प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, १९८६.

५) गीतालाल, प्रेमचंद का नारी चित्रण, हिंदी साहित्य संस्था, पटना, प्रथम संस्करण, १९६५.

६) (डा.) टंडन प्रतापनारायण, हिन्दी कहानी कला

७) तिवारी सुरेशचंद्र, यशपाल और हिंदी कथा साहित्य

८) मोहनलाल जिज्ञासु, कहानी और कहानीकार, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली-६, द्वितीय संस्करण, १९६३.

९) मधुरेश (संपादक), क्रांतिकारी यशपाल : एक समर्पित व्यक्तित्व, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, १९७८.

१०) (डॉ) लवटे सुनीलकुमार, यशपाल : एक समग्र मूल्यांकन, पराग प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण, १९८४.

११) (डॉ) लाल लक्ष्मीनारायण, हिन्दी कहानियों की शिल्पविधिका विकास

१२) (डा) वेद प्रकाश अमिताभ, हिन्दी कहानी के सौ वर्ष, मधुवन प्रकाशन, मथुरा, प्रथम संस्करण, १९८७.

१३) (डा) वार्ष्णेय रघुवर दयाल, हिन्दी कहानी बदलते प्रतिमान, पांडुलिपि प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण, १९७५.

१४) (डा) शर्मा राजेन्द्रप्रसाद, हिन्दी कहानियोंमें व्यक्तित्व विश्लेषण, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी, १९७१.

१५) शर्मा शिवकुमार, हिन्दी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ

१६) (डा) सिन्हा प्रेमचंद, आधुनिक हिन्दी कहानी साहित्य में समसामयिक जीवन की अभिव्यक्ति

१७) (डा) सोनवणे चन्द्रभानु, यशपाल की कहानियाँ, कथ्य और शिल्प, पंचशील प्रकाशन, जयपुर, प्रथम संस्करण, १९८१.

१८) (डॉ) श्रीवास्तव परमानंद, हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया ।